भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्‍चतर शिक्षा विभाग

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या : 64

उत्‍तर देने की तारीख : 24 नवंबर, 2014

**देश में शैक्षणिक अवसंरचना**

**64. डा॰ वी॰ मैत्रेयनः**

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारत के पास 2.5 करोड़ छात्रों का नामांकन करने वाले सात सौ से भी अधिक विश्वविद्यालयों और 35,000 महाविद्यालयों के साथ विश्व का तीसरा सबसे बड़ा शिक्षण तंत्र है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा वर्ष 2020 तक देश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सकल नामांकन अनुपात को बीस प्रतिशत तक बढ़ाने हेतु क्या-क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) वर्ष 2020 तक वांछित लक्ष्य प्राप्त करने हेतु शैक्षणिक अवसंरचना क्या है तथा कुल कितनी धनराशि की आवश्यकता है?

**उत्‍तर**

**मानव संसाधन विकास राज्‍यमंत्री**

**(प्रो. (डॉ.) राम शंकर कठेरिया)**

**(क) और (ख) :** एआईएसएचई 2012-13 के अनुसार (अनंतिम), 665 विश्‍वविद्यालय और 35829 कालेज थे जिनमें 29629022 छात्र दाखिल थे।

**(ग) और (घ) :** XIIवीं योजना के दौरान, 110700.00 करोड़ रू. का परिव्‍यय उच्‍चतर शिक्षा विभाग को प्रदान किया गया है। XIIवीं योजना, XIवीं योजना के दौरान उत्‍पन्‍न संवेग पर कार्य करेगी और ‘तीन ई’- विस्‍तार, समानता और उत्‍कृष्‍टता पर ध्‍यान देना जारी रखेगी। 10 मिलियन छात्रों की अतिरिक्‍त नामांकन क्षमता प्राप्‍त करने के लिए सभी तीनों घटकों का विस्‍तार करना होगा जिसमें XIIवीं योजना के अंत तक मुक्‍त एवं दूरस्‍थ शिक्षा में 1 मिलियन छात्र तैयार होंगे। उच्‍चतर शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) (18-23 वर्ष की आयु समूह के लिए अनुमानित) वर्ष 2011-12 के दौरान 20.04 (अनंतिम) है। XIIवीं पंचवर्षीय योजना का उद्देश्‍य देश का सकल नामांकन अनुपात वर्ष 2017-18 तक 25.2 तक बढ़ाना है और 2020-21 तक 30 के लक्ष्‍य को प्राप्‍त करना है।

\*\*\*\*\*